I

LOK SABHA

Thursday, November 17th, 1977/Kartika 26,1899 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Malaria Epidemics in Delhi

*61. SHRI SHYAMAPRASANNA BHATTACHARYYA:
SHRI GANGADHAR APPA BURANDE:

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether attention of Government has been drawn to the report that Malaria has broken out as an epidemic in Delhi;

(b) the total number of cases registered so far including those with the private doctors; and

(c) the steps taken to eradicate Malaria from the country?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री राज नारायण) : (क) 1977 के दौरान दिल्ली में मलेरिया बहुत अधिक रहा है । तथापि, सितम्बर, 1977 के पिछले सप्ताह से मलेरिया के प्रकोप में कमी हुई है ।

2

(ख) अक्तूबर, 1977 के अन्त तक 1,68,729 रोगी दर्ज किए गये थे । प्राइवेट डाक्टरों द्वारा कितने रोगियों का इलाज किया गया, इस की सरकार को कोई जानकारी नहीं है ।

(ग) एक विवरण जिसमें इस रोग के उन्मूलन/नियंत्रण के लिए सरकार द्वारा किए गए उपाय का वर्णन किया गया है, सभा पटल पर रख दिया गया है ।

विवरण

मलेरिया के नियंत्रण के लिए भारत सरकार ने निम्नलिखित कदम उठाए है :—

1. पहली अप्रैल, 1977 से राज्य सरकारों और संघ शासित क्षेत्रों द्वारा एक संशोधित कार्य योजना लागू की जा रही है । राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मलेरिया का उन्मूलन करना ही है जिसे वर्तमान में भी जारी रखने का विचार है ।

2. राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के मौजूदा यूनिटों को जिलों की भौगोलिक सीमाओं के अनुरूप पुनर्गठित कर दिया गया है । जिला के कार्यक्रम के लिए जिला के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को मुख्य रूप से जिम्मेदार बनाया गया है ।

3. अपेक्षित किस्म की कीटनाशी दवाइयां अधिक मात्रा में उपलब्ध स्रोतों के अन्तर्गत दी जा चुकी हैं / दी जा रही हैं।

4. ऐसे सभी देहाती क्षेत्रों में जहां एक हजार जनसंख्या के पीछे दो या दो से अधिक मलेरिया की घटनाएं हुई हैं, कीटनाशी दवाइयों का छिड़काव किया गया है।

5. राज्य / संघ शासित क्षेत्रों की सरकारों को मलेरिया रोधी औषधियों पर्याप्त मात्रा में दी गई हैं। औषधि डिपो / औषधि वितरण केन्द्र / बुखार उपचार केन्द्र खोल दिए गए हैं; जहां से लोगों को मुफ्त मलेरिया-रोधी औषधियां आसानी से मिल सकती हैं। ऐसे कुछेक क्षेत्रों में जहां पर जीवियों पर क्लोरिक्विन प्रभावकारी सिद्ध नहीं हुई है, वहां कुनीन जैसी अन्य मलेरिया-रोधी दवाइयां दी गई हैं।

6. शहरी मलेरिया क्षेत्र कार्यक्रम के अन्तर्गत लार्वा-रोधी कार्य बढ़ा दिया गया है। इस योजना के अन्तर्गत पहले से ही 28 नगरों में कार्य चल रहा है और इनके अलावा 1977-78 के दौरान 38 और नगरों में भी इस योजना को आरम्भ कर दिया गया है।

7. रक्त लपों के शीघ्र परीक्षण के लिए और पाजिटिव रोगियो का शीघ्र इलाज करने के लिए प्रयोगशाला सेवाओं को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तर तक विकेन्द्रीकृत कर दिया गया है।

8. फील्ड स्टाफ का सुपरवीजन तेज कर दिया गया है।

9. मलेरिया में सैद्धान्तिक और व्यावहारिक अनुसंधान करने के लिए कदम उठाए गए है।

10. **पी० फाल्सीपरम** के संक्रमण को बढ़ने से रोकने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन की सहायता से उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में गहन अभियान प्रारंभ कर दिया गया है।

11. इस बीमारी के बारे में स्वास्थ्य-शिक्षा देने और इस पर काबू पाने के लिए पंचायतों, स्कूल-अध्यापकों, विद्यार्थियों, युवा-संगठनों, चिकित्सकों आदि जैसे सार्वजनिक संगठनों का सहयोग प्राप्त करने के लिए भी कदम उठाए गए है।

श्री श्याम प्रसन्न भट्टाचार्य : मंत्री महोदय ने सभा पटल पर जो विवरण रखा है उसमें 11 आइटम्स दिये गये है। क्या मंत्री जी बतायेंगे कि आइटम नं० 4, 7, 9, 10 और 11 में जो कहा गया है क्या इस पर इमप्लीमेंटेशन होता है, इसकी उनको जानकारी है? जब इतने स्टैप्स लिये जाते है फिर भी मलेरिया बढ़ रहा है इसकी **क्या वजह है?**

श्री राज नारायण : जो कुछ सूचना हमने दी है एक से लेकर 11 तक सभी की जांच की जाती है और सब अपनी जगह पर यथा स्थान उचित कार्य करते हैं।

श्री श्याम प्रसन्न भट्टाचार्य : आइटम 10 में मंत्री जी ने बताया है कि वर्ल्ड हैल्थ आर्गेनाइजेशन की मदद से इंटेन्सिव केम्पेन शुरू किया गया है, तो मैं जानना चाहता हूं कि यह कब से शुरू हुआ है और कब तक जारी रहेगा?

श्री राज नारायण : जो प्रश्न माननीय सदस्य पूछ रहे है उसका उत्तर मैं बहुत थोड़े

में दिये देता हूं "सीता कर दुःख विपद विशाला, बिन हि कहे भल दीन दयाला"। श्री राम ने हनुमान जी से पूछा कि सीता का कैसा हाल है, तो हनुमान जी ने कहा कि उसके दुःख को न जानिये यही अच्छा है। तो इसी प्रकार मलेरिया को न छूना ही अच्छा है। अब चूंकि माननीय सदस्य ने पूछ ही लिया है कि मलेरिया की स्थिति क्या थी, कैसे थी, कब थी, तो हमारा कर्त्तव्य हो जाता है कि पूरा विवरण सदन के पटल पर रखें और सम्मानित सदस्य पूरी जानकारी से अवगत हो जायें।

MR. SPEAKER: Your first answer was very brief. I thought you would be brief.

श्री राज नारायण : कोशिश करूंगा कि ब्रीफ़ में कहूं। सीता कर दुःख विपद विशाला, बिन ही कहे भल दीन दयाला। यह हनुमान जी राम चन्द्र जी से बोले है। भारत में मलेरिया जन-स्वास्थ्य की प्रमुख समस्या रही है। देश में 1953 से राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम के शुरू होने से पहले प्रतिवर्ष अनुमानित 7 करोड़ 50 लाख लोगों को यह रोग होता रहा है। और महामारी के दौरान रोगियों की संख्या इससे दुगुनी होती जाती है। मलेरिया से अनुमानतः 8 लाख लोग प्रति वर्ष मरते थे। इस रोग की व्यापकता को देखते हुए भारत सरकार की स्वास्थ्य सर्वेक्षण और विकास समिति ने 1946 में सिफारिश की थी कि सारे देश में एक मलेरिया विरोधी संगठन की स्थापना की जाये। अप्रैल, 1953 में भारत सरकार ने द्विपक्षीय और अन्तर्राष्ट्रीय सेवाओं के सहयोग से राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम नाम से एक व्यापक छिड़काव कार्यक्रम शुरू किया। इसके पर्याप्त उत्साहवर्द्धक परिणामों के साथ साथ इस आशंका से कि रोगवाहक मच्छरों में कीट-नाशक दवाओं को हज्म करने की शक्ति पैदा हो जायेगी, भारत सरकार ने 1958 में इसे राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम में बदल दिया। इस विश्वव्यापी कार्यक्रम में भारत अग्रणी रहा है और इसने इस बारे में सारे विश्व का निश्चित नेतृत्व किया है।

सम्मानित सदस्य जरा ठीक से सुनें, हम रात को मेहनत करते हैं। 1958 से 1965 तक राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम ने संतोषजनक रूप से प्रगति की। 1965 में कोई मृत्यु नहीं हुई और करीब-करीब रोग खत्म हो गया।

SHRI R. V. SWAMINATHAN: Is he answering or making a speech?

SHRI RAJ NARAIN: I am giving the information to the House. You do not want to hear the information.

1958 से 1965 तक राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम ने संतोषजनक रूप से प्रगति की और इसके जो परिणाम निकले थे, वे बहुत ही असाधारण थे।

MR. SPEAKER: Give substance.

SHRI RAJ NARAIN: I am giving substance.

अब 1965 के बाद आ गया 1966 तो मैं यह कहना चाहता हूं,

श्री बसन्त साठे : 1965 का क्या करना है, अभी तो मलेरिया ब्रेक हुआ है, उसको बताइये।

MR. SPEAKER: Why do you have malaria in the House?

श्री राज नारायण : यह आदरणीय सम्मानित सदन है, इसको किसी राजनीतिक दल का अखाड़ा न बनाइये। यह मलेरिया सारे देश में फैला हुआ है।

1965 में कोई मौत नहीं हुई। अब आ गया 1966, सम्मानित सदस्य जान लें कि 1966 में भूतपूर्व प्रधान मंत्री श्रीमती

इन्दिरा गांधी का नेतृत्व आ गया । 1966 से ही मलेरिया प्रगति पर है । 1974, 1975 और 1976 का एमर्जेंसी के दौरान का भी पढ़ देता हूं । 1974 में 31,67,658 लोग मलेरिया रोग से ग्रस्त हुए, और तीन मौतें हुई हैं । 1975 में 51 लाख 66 हजार 142 लोग इस से ग्रस्त हुए और 99 मौतें हुई । 1976 में 6 लाख 49 हजार 481 लोग ग्रस्त हुए और 40 मौतें हुई हैं । सितम्बर तक इस साल जब से जनता पार्टी का शासन आया है, सात महीने समझ लीजिए, इन सात महीनों में 3 लाख 21 हजार 864 लोग इससे ग्रस्त हुए । यानी घटाव पर मलेरिया को हम ले जा रहे हैं । ईमानदारी से हम लोगों को सोचना चाहिए, 73, 74, 75 और 76 में पूर्ण रूपेण छिड़काव बन्द हो गया । सारे साधन जुटा कर लगा दिए गए कम्पल्सरी स्टेरिलाइज़ेशन में । मैंने सब राज्यों के हेल्थ डाइरेक्टरों की मीटिंग की इस के लिए कि मलेरिया बढ़ा क्यों ? सभी राज्यों के हेल्थ डाइरेक्टर्स और हेल्थ मिनिस्टर्स की मीटिंग में हम ने यह पूछा कि मलेरिया बढ़ा क्यों तो लोगों ने बताया कि 73, 74, 75 और 76 में सारे जितने सरकारी साधन थे सब ज़बर्दस्ती नसबन्दी में लगा दिए गए । डी डी टी का छिड़काव बिलकुल बन्द कर दिया गया । मलेरिया मारक दवाओं का छिड़काव बन्द कर दिया गया इसलिए मलेरिया का प्रकोप बढ़ गया ।

SHRI SHYAMAPRASANNA BHATTACHARYYA: After the come-back of malaria epidemic particularly because of DDT resistence of the mosquitoes, the epidemic is developing throughout India, not only in Delhi but also in the eastern parts of India and in the tribal areas, and in view of that, may I know from the hon. Minister whether he is sufficiently confident that by his energetic work that he is doing he will be able to check the spread of malaria epidemic throughout India and, secondly, whether he is aware of the fact that in New York and Washington, the immunity and vaccination systems have been developed, and, if so, whether we are doing sufficient research work to develop vaccination for malaria resistence?

श्री राज नारायण : श्रीमन, जहां डी डी टी काम नहीं करती वहां बी एच सी का छिड़काव करते हैं । यह दवा हैं जिस से मलेरिया के कीटाणु मरते हैं .....

श्री वसंत साठे : आयुर्वेद की ?

श्री राज नारायण : अगर आयुर्वेद का मज़ाक कर के देश के विकास को प्रगति की दिशा में ले जाना चाहता है विरोध पक्ष तो मैं चह्वाण साहब से कहूंगा कि क्यों विरोध पक्ष के नेता बने हुए हैं ? छोड़ दें । रोजाना बम्बई से, महाराष्ट्र से आयुर्वेद के उद्घाटन के लिए हमारे पास लोग आते हैं । आज भी चीफ मिनिस्टर साहब आए हैं ...

MR. SPEAKER: Please don't reply to any interruption; you just answer the question.

श्री राज नारायण : जहां जहां जिन दवाओं की कमी हो रही है उन दवाओं को नया बनवाने के लिए भी हम ने काम शुरू कर दिया है । इस सम्बन्ध में मैं आप को आगे बताऊंगा जब कालाज़ावर के सम्बन्ध में प्रश्न आयेगा । इस समय इतना ही काफ़ी है ।

हमारे मित्र ने पूछा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आप को क्या मदद दी है ? विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हम को 2.92 लाख डालर्स की मदद दी है, इस का हिसाब रुपयों में आप लगा लीजिए, क्योंकि डालर का भाव घटता-बढ़ता रहता है ।

SHRI BEDABRATA BARUA: I hope you will ask the Minister to answer the relevant part of the question. So far as national context is concerned, he has not answered that part. I don't think he has answered at all what steps are going to be taken. My main question is about the mosquitoes in Delhi. They have made a come back to Delhi; from the time the Janata Government started the activities of the mosquitoes have also started. By now they are in good form and are spreading everywhere. You know anti-malaria oil is not available and no action has been taken. The drains are full of mosquitoes. I hope the Minister will say something about it and not refer to Mrs. Indira Gandhi or such other things. These mosquitoes are very much there. Why are they not sprinkling anti-malaria oil over the drains that are lying open everywhere?

MR. SPEAKER: You can avoid mentioning about Janata Government. He can avoid mentioning about Indira Gandhi.

श्री राज नारायण : कभी-कभी कोई मनुष्य भी कीटाणु का काम करता है। इसी लिए इन्दिरा जी चव्हान साहब के लिए सब से बड़ी मलेरिया की कीटाणु बन गई हैं।

अध्यक्ष महोदय, यह सही है कि इस साल दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर-प्रदेश, मध्य प्रदेश भयंकर बाढ़ग्रस्त क्षेत्र रहे हैं। इतनी ज्यादा बाढ़ आई है कि कहा नहीं जा सकता। इसी तरह तमिलनाडु में बड़ा भारी तूफान आया है, हम ने वहां की सरकार से पूछा है—हालांकि उन्होंने हम से नहीं पूछा—कि वे हम को बतलायें कि हम किन-किन और कितनी दवाओं से उन की मदद करें .....

SHRI RAGAVALU MOHANARANGAM: About the present position of Tamilnadu, our Chief Minister has already sent two letters. (*Interruptions*) He says that they have not received anything from our State. Then there was cyclone in our State. We are going to send, after assessing the entire loss about this cyclone, to the Government of India a statement showing the total loss and other details. In spite of all these things, he says that he has not received anything from Tamilnadu. He has got personal enmity towards our State. Only one hour is allotted for Question Hour and he has already taken a lot of time only for this single question. Tamilnadu is a part of India. (*Interruptions*)

SHRI C. N. VISVANATHAN: They have already sent two letters mentioning the present position of Tamilnadu. Then there was cyclone in our State. They are going to send a statement showing the entire loss. In spite of all these things, he says that they have not received anything from Tamilnadu. (*Interruptions*)

श्री राज नारायण : मैंने जो कहा है—उस में कोई पाप नहीं किया है, गुनाह नहीं किया है। वहां के स्वास्थ्य सचिव के पत्र को भी मैं वहां के चीफ मिनिस्टर का पत्र मानूंगा। वे कह कर गये हैं कि हम पूरा ब्यौरा भेजेंगे। अगर मेरे मित्र नहीं जानना चाहते हैं, तो मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि तमिलनाडु दवाओं के रूप में जो भी सहायता चाहेगा, वह हमारी सरकार देगी।

जहां तक दिल्ली का सम्बन्ध है, 1976-77 के दौरान दिल्ली नगर निगम और नई दिल्ली नगरपालिका को सप्लाई की गई सामग्री यह है :—एम० एल० ओ० : 698 किलोग्राम, पेरिसग्रीन: 1700 किलोग्राम, मिट्टी का तेल : 28 किलोग्राम, पेरोसीन एक्सट : 10,000 लिटर, पिरेथ्रम : 900 लिटर और बेटेक्स : 1,000 लिटर।

PROF. P. G. MAVALANKAR: May I submit that 20 minutes have already

passed and still the first Question is going on. Should we not try to cover more Questions? Our names come in the ballot and still our questions are lost!

श्री लक्ष्मी नारायण नायक : जो डी० डी० टी० पहले छिड़की जाती थी, उस में ज्यादा असर रहता था। क्या मंत्री महोदय इस बात की जांच करवायेंगे कि डी० डी० टी० अब असर क्यों नहीं रखती है ?

श्री राज नारायण : अध्यक्ष महोदय, मेरा नम्र निवेदन है कि इस से पहले दिल्ली के बारे में जो सवाल पूछा गया था, आप ने उस का जवाब पूरा नहीं होने दिया।

MR. SPEAKER: Please answer his question.

श्री राज नारायण : अगर मलेरिया के कीटाणुओं के पैदा होते ही तत्काल उन्हें मार दिया जाये, तब तो वे मर जाते हैं, लेकिन अगर उन्हें बढ़ने दिया जाये, तो उन में बाहरी दवाओं के प्रति रेसिस्टेंस की शक्ति बढ़ती है।

मलेरिया के कीटाणुओं में रेसिस्टेंस की शक्ति बढ़ गई है। यही कारण है कि डी० डी० टी० आदि का उन पर कोई असर नहीं होता है।

आनन्द मार्गियों द्वारा विदेशों में भारतीयों पर आक्रमण

+

*62. **श्री सुखेन्द्र सिंह :**
श्री इब्राहीम सुलेमान सेठ :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विदेशों में स्थित हमारे अनेक दूतावासों को न केवल धमकी भरे पत्र मिल रहे हैं बल्कि विदेशी आनन्दमार्गियों द्वारा हमारे दूतावासों के अधिकारियों पर आक्रमण की घटनाएं भी हो रही हैं ;

(ख) यदि हां, तो अब तक ऐसी कितनी घटनाएं हुई हैं; और

(ग) भारत सरकार ने इस मामले में क्या कार्यवाही की है ?

विदेश मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी): (क) जी, हां।

(ख) (i) अब तक कुल मिला कर 12 मिशनों में धमकी भरे पत्र प्राप्त हुए हैं;

(ii) आक्रमण की वारदातें हमारे कैनबरा और लंदन स्थित मिशनों में तथा एअर इंडिया मेलबोर्न में ही हुई है।

(ग) सम्बद्ध मिशनों ने अपनी-अपनी आतिथेय सरकारों के साथ कर्मचारियों और सम्पति के लिए पर्याप्त सुरक्षा का प्रबन्ध उठाया है। विदेश-स्थित सभी भारतीय मिशनों/केन्द्रों/कार्यालयों को यह परामर्श दिया गया है कि वे विभागीय सुरक्षा अनुदेशों का पालन करें तथा स्थानीय विदेश कार्यालय और सुरक्षा अभिकरणों से निकट सम्पर्क रखें। कल कुआला-लम्पुर में एयर इंडिया के कार्यालय में जो घटना हुई है, मैं उस का भी उल्लेख कर देना चाहता हूं। एयर इण्डिया का दफ्तर चौदह-मंजिला इमारत में है। वहां शौचालय में एक टाइम बम पाया गया। तत्काल पुलिस को खबर दी गई लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही वह बम फट गया। एअर इंडिया का एक कर्मचारी घायल हुआ है। जिन्होंने बम रखा उनका अभी तक पता नहीं लगाया जा सका है। बम के साथ कोई पत्र नहीं था लेकिन आज सवेरे कुआलालंपुर स्थित भारतीय हाई कमीशन को एक चिट्ठी मिली है जो यूनिवर्सल प्राऊटिस्ट रेवोल्यूशनरी